● वर्ष : 04 ● अंक : 05 ● अक्टूबर 2025 ● हिन्दी मासिक पत्रिका ₹ 40/-

RNI : CHHHIN 2022/86325

स्वतंत्र बोल

www.swatantrabol.com

घुटने पर नक्सली सिमटता माओवाद..

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन)

जनजातीय विकास का नया युग

₹375.71 करोड़ स्वीकृत 100 पुल + अन्य निर्माण कार्य

9 मंत्रालय

11 प्रमुख विकास गतिविधियां

18 जिले

1442 गाँव

2,306 बसाहटें

56,669 परिवार

बचे 26 गांवों तक भी पहुंचेगी विकास की रोशनी

- **10,553** पक्के आवास पूर्ण
- **500** किमी सड़कें पूर्ण
- **44,101** आधार कार्ड जारी
- **10,125** किसान क्रेडिट कार्ड जारी
- **1,04,743** आयुष्मान कार्ड बने
- **36,521** जनधन खाते खुले
- **46,024** जाति प्रमाण पत्र जारी
- **228** गांवों में पाइप से जलापूर्ति
- **22,351** किसान सम्मान निधि पंजीकरण
- **30,559** राशन कार्ड वितरित
- **4,727** मातृत्व योजना लाभार्थी

4 छात्रावास व **आंगनबाड़ी केंद्रों** का निर्माणकार्य पूर्ण

बड़ी संख्या में **मोबाइल टॉवरों** की स्थापना

7 वन धन विकास केंद्र संचालित

8 बहुउद्देशीय केंद्रों का निर्माणकार्य पूर्ण

विद्युतीकरण

7144 परिवार (ऑन ग्रिड)

729 परिवार (ऑफ ग्रिड)

मोबाइल मेडिकल यूनिट

57 यूनिट से **317 गांव** लाभान्वित

* यह आंकड़े माह जुलाई तक के हैं कार्य निरंतर जारी है

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमसे जुड़ने के लिए **QR स्कैन करें**

RNI : CHHHIN 2022/86325

स्वतंत्र बोल

www.swatantrabol.com

वर्ष : 04, अंक : 05, अक्टूबर 2025

प्रेरणास्त्रोत
स्व. जीवन गिरि गोस्वामी

संपादक
राहुल गिरि गोस्वामी

कानूनी सलाहकार
आनंद मोहन तिवारी
दिनेश मिश्रा

प्रचार-प्रसार-विज्ञापन
शेखर सागर

ले-आउट/डिजाइन
द्वारिका प्रसाद साहू

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
राहुल गिरि गोस्वामी द्वारा
शॉप नं. 258, सेकण्ड फ्लोर
लालगंगा शॉपिंग कॉम्पलेक्स, घड़ी चौक
रायपुर (छ.ग.) पिन-492001 से प्रकाशित
एवं सागर प्रिंटर्स, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.)
पिन-492001 से मुद्रित।
सम्पादक - राहुल गिरि गोस्वामी

रजिस्टर्ड कार्यालय
शॉप नं. 258, सेकण्ड फ्लोर
लालगंगा शॉपिंग कॉम्पलेक्स, घड़ी चौक
रायपुर (छ.ग.) पिन-492001
Email : Bolswatantra@gmail.com
Phone : 9754374333

(समस्त न्यायालीन प्रकरणों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र रायपुर होगा।)

घुटनों पर नक्सली, सिमटता माओवाद 03

आरएसएस के सौ वर्ष पूरे... 05

शताब्दी वर्ष : विजयादशमी पर भव्य कार्यक्रम 09

नीला कवासी ने बंदूक छोड़ अपनाया शांति और विकास का रास्ता 11

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना 19

विजयादशमी उत्सव का भव्य आयोजन 20

अरुण साव ने किया सिटी सर्विलांस का शुभारंभ 23

मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में लगा सेलेब्स का जमावड़ा 29

लाल आतंक से मुक्त होगा छत्तीसगढ़..

लम्बे समय तक नक्सलवाद का दंश झेलने के बाद अब हमें उससे आजादी मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। पुलिस और सुरक्षा फ़ोर्स के दबाव के बाद नक्सली बैकफुट पर है, और उनके सामने जान बचाने सिवाय आत्मसमर्पण के दूसरे कोई रास्ता नहीं नहीं बचा है। ऐसे में बड़ी संख्या में नक्सलियों के आत्मसमर्पण से उस केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा की 31 मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त होने का सच होता दिख रहा है। देश भर में नक्सलियों के बड़े लीडर जिस तरह भरी भरकम हथियारों के साथ बिना किसी शर्त के आत्म समर्पण कर रहे वह दिखाता है कि बस्तर के लोगो को जल्द ही लाल आतंक से आजादी मिलेगी।

– राहुल गोस्वामी

छत्तीसगढ़ में बड़ी कामयाबी

घुटनों पर नक्सली, सिमटता माओवाद

छत्तीसगढ़ में चलाए जा रहे एंटी नक्सल ऑपरेशन में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिल रही है। पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने के डर से माओवादी संगठन में सक्रिय 103 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सरेंडर कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 49 नक्सली इनामी हैं, जिन पर 1 करोड़ 7 लाख रुपये का इनाम है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में कई छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के मामले में वांटेट हैं।

बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 अक्टूबर को बस्तर के कार्यक्रम में शामिल होंगे। उनके आने से पहले नक्सल संगठन में इस टूट को बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। बीजापुर में दशहरा पर्व के दिन 103 नक्सलियों का सरेंडर माओवादी संगठन को बड़ा झटका है। सभी माओवादी ने एसपी कार्यालय में सरेंडर किया है। छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह पहली बार है, जब इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

माओवादी संगठन लगातार टूटता हुआ

बीजापुर SP डॉ. जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि सरेंडर करने वालों में डीव्हीसीएम -1,पीपीसीएम- 4, एसीएम-4, प्लाटून पार्टी सदस्य-1, डीएकेएमएस अध्यक्ष-3, सीएनएम अध्यक्ष-4, केएएमएस अध्यक्ष-2, एरिया कमेटी पार्टी सदस्य-5, मिलिशिया कमाण्डर/डिप्टी कमांडर-5, जनताना सरकार अध्यक्ष-4, पीएलजीए सदस्य-1, सीएनएम सदस्य-12, जनताना सरकार उपाध्यक्ष- 4, डीएकेएमएस उपाध्यक्ष-1, जनताना सरकार सदस्य-22, मिलिशिया प्लाटून सदस्य -23, जीपीसी-2, डीएकेएमएस सदस्य -4, भूमकाल मिलिशिया सदस्य -1 शामिल हैं।

49 नक्सलियों पर 1 करोड़ से अधिक का इनाम

इन नक्सलियों में 49 लोगों पर 1 करोड़ 6 लाख रुपये का इनाम छत्तीसगढ़ में घोषित है। एसपी ने कहा कि यह सिर्फ़ आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि उस विचारधारा की हार है, जो बरसों तक हिंसा और भ्रम के सहारे टिकी रही। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ दिया जाएगा।

71 नक्सलियों ने किया था सरेंडर

बता दें कि इससे पहले 24 सितंबर को दंतेवाड़ा जिले में पुलिस अधीक्षक गौरव रॉय और सीआरपीएफ अफसरों के सामने 71 नक्सलियों सरेंडर किया था। सरेंडर करने वाले इन 71 नक्सलियों में से 30 पर 64 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन सभी ने 'लोन वर्राटू अभियान' के तहत आत्मसमर्पण किया था। बता दें कि फोर्स के दबाव में नक्सली संगठन बैकफुट पर है और लगातार सरेंडर करने का दौर जारी है।

आरएसएस के सौ वर्ष पूरे...

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य के 100 वर्ष पूर्ण करने वाली इस विजयादशमी के निमित्त हम यहाँ एकत्रित है। संयोग है कि यह वर्ष श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के पावन देहोत्सर्ग का तीनसौ पचास वाँ वर्ष है। हिन्द की चादर बनकर उनके उस बलिदान ने विदेशी विधर्मी अत्याचार से हिन्दू समाज की रक्षा की । अंग्रेजी दिनांक के अनुसार आज स्व. महात्मा गांधी जी का जन्मदिवस है। अपनी स्वतंत्रता के शिल्पकारों में वे अग्रणी हैं ही, भारत के 'स्व' के आधार पर स्वातंत्र्योत्तर भारत की संकल्पना करने वाले दार्शनिकों में भी उनका स्थान विशिष्ट है। सादगी, विनम्रता, प्रामाणिकता तथा दृढ़ता के धनी व देशहित में अपने प्राण तक न्यौछावर करने वाले हमारे भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्मदिवस भी आज ही है।

भक्ति, समर्पण व देशसेवा के ये उत्तुंग आदर्श हम सभी के लिए अनुकरणीय हैं । मनुष्य वास्तविक दृष्टि से मनुष्य कैसे बने और जीवन को जिये यह शिक्षा हमें इन महापुरुषों से मिलती है ।

आज की देश व दुनिया की परिस्थिति भी हम भारतवासियों से इसी प्रकार से व्यक्तिगत व राष्ट्रीय चारित्र्य से सुसंपन्न जीवन की माँग कर रही है । गत वर्ष भर के कालावधि में हम सब ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में जो राह तय की है उसके पुनरावलोकन से यह बात ध्यान में आती है ।

वर्तमान परिदृश्य - आशा और चुनौतियाँ

यह बीती कालावधि एक तरफ विश्वास तथा आशा को अधिक बलवान बनाने वाली है तथा दूसरी ओर हमारे सम्मुख उपस्थित पुरानी व नयी चुनौतियों को अधिक स्पष्ट रूप में उजागर करते हुए हमारे लिए विहित कर्तव्य पथ को भी निर्देशित करने वाली है।

गत वर्ष प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ ने श्रद्धालुओं की सर्व भारतीय संख्या के साथ ही उत्तम व्यवस्थापन के भी सारे कीर्तिमान तोड़कर एक जागतिक विक्रम प्रस्थापित किया । संपूर्ण भारत में श्रद्धा व एकता की प्रचण्ड लहर जगायी।

दिनांक 22 अप्रैल को पहलगाम में सीमापार से आये

आतंकवादियों के हमले में 26 भारतीय यात्री नागरिकों की उनका हिन्दू धर्म पूछ कर हत्या कर दी गई । संपूर्ण भारतवर्ष में नागरिकों में दुःख और क्रोध की ज्वाला भड़की । भारत सरकार ने योजना बनाकर मई मास में इसका पुरजोर उत्तर दिया । इस सब कालावधि में देश के नेतृत्व की दृढ़ता तथा हमारी सेना के पराक्रम तथा युद्ध कौशल के साथ-साथ ही समाज की दृढ़ता व एकता का सुखद दृश्य हमने देखा । परन्तु अपनी तरफ से सबसे मित्रता की नीति व भाव रखते हुए भी हमें अपने सुरक्षा के विषय में अधिकाधिक सजग रहना व समर्थ बनते रहना पड़ेगा यह बात भी हमें समझ में आ गई।

विश्व में बाकी सब देशों के इस प्रसंग के संबंध में जो नीतिगत क्रियाकलाप बने उससे विश्व में हमारे मित्र कौन-कौन औंर कहाँ तक हैं इसकी परीक्षा भी हो गई।

देश के अन्दर उग्रवादी नक्सली आन्दोलन पर शासन तथा प्रशासन की दृढ़ कारवाई के कारण तथा लोगों के सामने उनके विचार का खोखलापन व क्रूरता अनुभव से उजागर होने के कारण, बड़ी मात्रा में नियंत्रण आया है। उन क्षेत्रों में नक्षलियों के पनपने के मूल में वहाँ चल रहा शोषण व अन्याय, विकास का अभाव तथा शासन-प्रशासन में इन सब बातों के प्रति संवेदना का अभाव ये कारण थे। अब यह बाधा दूर हुई है तो उन क्षेत्रों में न्याय, विकास, सद्भावना, संवेदना तथा सामरस्य स्थापन करने के लिए कोई व्यापक योजना शासन-प्रशासन के द्वारा बने इसकी आवश्यकता रहेगी ।

आर्थिक क्षेत्र में भी प्रचलित परिमाणों के आधार पर हमारी अर्थ स्थिति प्रगति कर रही है, ऐसा कहा जा सकता है । अपने देश को विश्व में सिरमौर देश बनाने का सर्व सामान्य जनों में बना उत्साह हमारे उद्योग जगत में और विशेष कर नई पीढ़ी में दिखता है। परंतु इस प्रचलित अर्थ प्रणाली के प्रयोग से अमीरी व गरीबी का अंतर बढ़ना, आर्थिक सामर्थ्य का केंद्रीकृत होना, शोषकों के लिए अधिक सुरक्षित शोषण का नया तंत्र दृढ़मूल होना, पर्यावरण की हानि, मनुष्यों के आपसी व्यवहार में संबंधों की जगह व्यापारिक दृष्टि व अमानवीयता बढ़ना, ऐसे दोष भी विश्व में सर्वत्र उजागर हुए हैं। इन दोषों की बाधा हमें न हों तथा अभी अमेरिका ने अपने स्वयं के हित को आधार बनाकर जो आयात शुल्क नीति चलायी उसके चलते, हमको भी कुछ बातों का पुनर्विचार करना पड़ने वाला है। विश्व परस्पर निर्भरता पर जीता है। परंतु स्वयं आत्मनिर्भर होकर, विश्व जीवन की एकता को ध्यान में रखकर हम इस परस्पर निर्भरता को अपनी मजबूरी न बनने देते हुए अपने स्वेच्छा से जिएं, ऐसा हमको बनना पड़ेगा। स्वदेशी तथा स्वावलंबन को कोई पर्याय नहीं है।

जड़वादी पृथगात्म दृष्टि पर आधारित विकास की संकल्पना को लेकर जो विकास की जड़वादी व उपभोगवादी नीति विश्व भर में प्रचलित है उसके दुष्परिणाम सब ओर उत्तरोत्तर बढ़ती मात्रा में उजागर हो रहे हैं । भारत में भी वर्तमान में उसी नीति के चलते वर्षा का अनियमित व अप्रत्याशित वर्षामान, भूस्खलन, हिमनदियों का सूखना आदि परिणाम गत तीन-चार वर्षो में अधिक तीव्र हो रहे हैं। दक्षिण पश्चिम एशिया का सारा जलस्त्रोत हिमालय से आता है। उस हिमालय में इन दुर्घटनाओं का होना भारतवर्ष और दक्षिण एशिया के अन्य देशों के लिए खतरे की घंटी माननी चाहिए।

गत वर्षों में हमारे पड़ोसी देशों में बहुत उथल-पुथल मची है। श्रीलंका में, बांग्लादेश में और हाल ही में नेपाल में जिस प्रकार जन-आक्रोश का हिंसक उद्रेक होकर सत्ता का परिवर्तन हुआ वह हमारे लिए चिंताजनक है। अपने देश में तथा दुनिया में भी भारतवर्ष में इस प्रकार के उपद्रवों को चाहनेवाली शक्तियाँ सक्रीय हैं। शासन प्रशासन का समाज से टूटा हुआ सम्बन्ध, चुस्त व लोकाभिमुख प्रशासकीय क्रिया-कलापों का अभाव यह असंतोष के स्वाभाविक व तात्कालिक कारण होते हैं। परन्तु हिंसक उद्रेक में वांच्छित परिवर्तन लाने की शक्ति नहीं होती। प्रजातांत्रिक मार्गों से ही समाज ऐसे आमूलाग्र परिवर्तन ला सकता है। अन्यथा ऐसे हिंसक प्रसंगों में विश्व की वर्चस्ववादी ताकतें अपना खेल खेलने के अवसर ढूँढे, यह संभावना बनती है। यह हमारे पड़ोसी देश सांस्कृतिक दृष्टि से तथा जनता के नित्य संबंधों की दृष्टि से भी भारत से जुड़े हैं। एक तरह से हमारा ही परिवार है। वहाँ पर शांति रहे, स्थिरता रहे, उन्नति हो, सुख और सुविधा की व्यवस्था हो, यह हमारे लिए हमारे हितरक्षण से भी अधिक हमारी स्वाभाविक आत्मीयताजन्य आवश्यकता है।

विश्व में सर्वत्र ज्ञान-विज्ञान की प्रगति, सुख-सुविधा तकनीकी का मनुष्य जीवन में कई प्रकार की व्यवस्थाओं को आरामदायक बनाने वाला स्वरूप, संचार माध्यमों व आंतरराष्ट्रीय व्यापार के कारण दुनिया के राष्ट्रों में बढ़ी हुई निकटता जैसे परिस्थिति का सुखदायक रूप दिखता है । परन्तु विज्ञान एवं तकनीकी की प्रगति की गति व मनुष्यों की इन से तालमेल बनाने की गति इस में बड़ा अंतर है । इसलिए सामान्य मनुष्यों के जीवन में बहुत सारी समस्याएँ उत्पन्न होती दिखाई दे रही हैं । वैसे ही सर्वत्र चल रहे युद्धों सहित अन्य छोटे बड़े कलह, पर्यावरण के क्षरण के कारण प्रकृति के उग्र प्रकोप, सभी समाजों में तथा परिवारों में आई हुई टूटन, नागरिक जीवन में बढ़ता हुआ अनाचार व अत्याचार ऐसी समस्याएँ भी साथ में चलती हुई दिखाई देती हैं। इन सबके उपाय के प्रयास हुए हैं परंतु वे इन समस्याओं की बढ़त को रोकने में अथवा उनका पूर्ण निदान देने में असफल रहे हैं। मानव मात्र में इसके चलते आई हुई अस्वस्थता, कलह और हिंसा को और बढ़ाते हुए, सभी प्रकार के मांगल्य, संस्कृति, श्रद्धा, परंपरा आदि का संपूर्ण विनाश ही, आगे अपने आप इन समस्याओं को ठीक करेगा, ऐसा विकृत और विपरीत विचार लेकर चलने वाली शक्तियों का संकट भी, सभी देशों में अनुभव में आ रहा है। भारतवर्ष में भी कम-अधिक प्रमाण में इन सब परिस्थितियों को हम अनुभव कर रहे हैं। अब विश्व इन समस्याओं के समाधान के लिए भारत की दृष्टि से निकले चिंतन में से उपाय की अपेक्षा कर रहा है।

हम सब की आशा और आश्वस्ति बढाने वाली बात यह है कि अपने देश में सर्वत्र तथा विशेषकर नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना अपने संस्कृति के प्रति आस्था व विश्वास का प्रमाण निरंतर बढ़ रहा है। संघ के स्वयंसेवकों सहित समाज में चल रही विविध धार्मिक, सामाजिक संस्थाएं तथा व्यक्ति समाज के अभावग्रस्त वर्गों की निस्वार्थ सेवा करने के लिए अधिकाधिक आगे आ रहे है, और इन सब बातों के कारण समाज का स्वयं सक्षम होना और स्वयं की पहल से अपने सामने की समस्याओं का समाधान करना व अभावों की पूर्ति करना बढ़ा है । संघ के स्वयंसेवकों का यह अनुभव है कि संघ और समाज के कार्यों में प्रत्यक्ष सहभागी होने की इच्छा समाज में बढ़ रही है । समाज के बुद्धिजीवियों में भी विश्व में प्रचलित विकास तथा लोकप्रबंधन के प्रतिमान के अतिरिक्त अपने देश के जीवन दृष्टि, प्रकृति तथा आवश्यकता के आधार पर अपना स्वतन्त्र और अलग प्रकार का कोई प्रतिमान कैसा हो सकता है इसकी खोज का चिंतन बढ़ा है ।

भारतीय चिन्तन दृष्टि

भारत का तथा विश्व का विचार भारतीय दृष्टि के आधार पर करने वाले हमारे सभी आधुनिक मनीषी, स्वामी विवेकानंद से लेकर तो महात्मा गांधीजी, दीनदयालजी उपाध्याय, राम मनोहर लोहिया जी, ऐसे हमारे समाज का नेतृत्व करने वाले सभी महापुरुषों ने, उपरोक्त सभी समस्याओं का परामर्श करते हुए, एक समान दिशा का दिग्दर्शन किया है। आधुनिक विश्व के पास जो जीवन दृष्टि है वह पूर्णत: गलत नहीं, अधूरी है। इसलिए उसके चलते मानव का भौतिक विकास तो कुछ देशों और वर्गों के लिए आगे बढ़ा हुआ दिखता है। सबका नहीं। सबको छोडिये, अकेले भारत को अमेरिका जैसा तथाकथित समृद्ध और प्रगत भौतिक जीवन जीना है तो और पांच पृथ्वियों की आवश्यकता होगी ऐसा कुछ अभ्यासक कहते हैं। आज की इस प्रणाली से भौतिक विकास के साथ-साथ मानव का मानसिक व नैतिक विकास नहीं हुआ। इसलिए प्रगति के साथ-साथ ही मानव व सृष्टि के सामने नयी-नयी समस्याएँ प्राण संकट बन खड़ी हो रही हैं। इसका कारण - वही दृष्टि का अधूरापन!

हमारी सनातन, आध्यात्मिक, समग्र व एकात्म दृष्टि में मनुष्य के भौतिक विकास के साथ-साथ मन, बुद्धि तथा आध्यात्मिकता का विकास, व्यक्ति के साथ-साथ मानव समूह व सृष्टि का विकास, मनुष्य की आवश्यकताओं - इच्छाओं के अनुरूप आर्थिक स्थिति के साथ-साथ ही, उसके समूह और सृष्टि को लेकर कर्तव्य बुद्धि का तथा सब में अपनेपन के साक्षात्कार को अनुभव करने के स्वभाव का विकास करने की शक्ति है। क्योंकि हमारे पास सबको जोड़ने वाले तत्त्व का साक्षात्कार है। उसके आधार पर सहस्त्रों वर्षों तक इस

विश्व में हमने एक सुंदर, समृद्ध और शांतिपूर्ण, परस्पर संबंधों को पहचानने वाला, मनुष्य और सृष्टि का सहयोगी जीवन प्रस्थापित किया था। उस हमारी समग्र तथा एकात्म दृष्टि के आधार पर, आज के विश्व की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए, आज विश्व जिन समस्याओं का सामना कर रहा है, उनका शाश्वत निदान देने वाली एक नई रचना की विश्व को आवश्यकता है। अपने उदाहरण से उस रचना का अनुकरणीय प्रतिमान विश्व को देना यह कार्य नियति हम भारतवासियों से चाहती है।

संघ का चिन्तन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने कार्य के शतवर्ष पूर्ण कर चुका है। संघ में विचार व संस्कारों को प्राप्त कर समाज जीवन के विभिन्न आयामों में, विविध संगठनों में, संस्थाओं में, तथा स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक स्वयंसेवक सक्रिय हैं। समाज जीवन में सक्रिय अनेक सज्जनों के साथ भी स्वयंसेवकों का सहयोग व संवाद चलते रहता है। उन सबके संकलित अनुभव के आधार पर संघ के कुछ निरीक्षण व निष्कर्ष बने हैं।

1) भारत वर्ष के उत्थान की प्रक्रिया गति पकड़ रही है। परन्तु अभी भी हम उसी नीति व व्यवस्था के दायरों में ही सोच रहे हैं जिस का अधूरापन उस नीति के जो परिणाम आज मिल रहे हैं उन से उजागर हो चुका है। यह बात सही है कि उन तरीकों पर विश्व के साथ हम भी इतना आगे पहले ही बढ़ गये हैं कि एकदम परिवर्तन करना संभव नहीं होगा। एक लम्बे वृत्त में धीरे-धीरे ही मुड़ना पड़ेगा। परन्तु हमारे सहित विश्व के सामने खड़ी समस्याओं तथा भविष्य के? खतरों से बचने का दूसरा उपाय नहीं है। हमें अपनी समग्र व एकात्म दृष्टि के आधार पर अपना विकास पथ बनाकर, विश्व के सामने एक यशस्वी उदाहरण रखना पड़ेगा। अर्थ व काम के पीछे अंधी होकर भाग रही दुनिया को पूजा व रीति रिवाजों के परे, सबको जोड़ने वाले, सबको साथ में लेकर चलने वाले, सबकी एक साथ उन्नति करने वाले धर्म का मार्ग दिखाना ही होगा।

2) संपूर्ण देश का ऐसा आदर्श चित्र विश्व के सामने खड़ा करने का काम केवल देश की व्यवस्थाओं का ही नहीं है। क्योंकि व्यवस्थाओं का अपने में परिवर्तन का सामर्थ्य व इच्छा, दोनों मर्यादित होती है। इन सब की प्रेरणा व इन सब का नियंत्रण समाज की प्रबल इच्छा से ही होता है। इसलिए व्यवस्था परिवर्तन के लिए समाज का प्रबोधन तथा उसके आचरण का परिवर्तन यह व्यवस्था परिवर्तन की पूर्वशर्तें हैं। समाज के आचरण में परिवर्तन भाषणों से या ग्रंथों से नहीं आता। समाज का व्यापक प्रबोधन करना पड़ता है तथा प्रबोधन करने वालों को स्वयं परिवर्तन का उदाहरण बनना पड़ता है । स्थान-स्थान पर ऐसे उदाहरण स्वरूप व्यक्ति, जो समाज के लिए उसके अपने हैं, उनके जीवन में पारदर्शिता है, निस्वार्थता है और जो संपूर्ण समाज को अपना मानकर समाज के साथ अपना नित्य व्यवहार करते हैं, समाज को उपलब्ध होने चाहिए। समाज में सबके साथ रहकर अपने उदाहरण से समाज को प्रेरणा देने वाला ऐसा स्थानीय सामाजिक नेतृत्व चाहिए। इसलिए व्यक्ति निर्माण से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से व्यवस्था परिवर्तन यह देश में और विश्व में परिवर्तन लाने का सही पथ है यह स्वयंसेवकों का अनुभव है।

3) ऐसे व्यक्तियों के निर्माण की व्यवस्था भिन्न-भिन्न समाजों में सक्रिय रहती है। हमारे समाज में आक्रमण की लंबी अवधि में यह व्यवस्थाएँ ध्वस्त हो गईं । इसलिए इसकी युगानुकूल व्यवस्था घर में, शिक्षा पद्धति में व समाज के क्रियाकलापों में फिर से स्थापित करनी पड़ेगी । यह कार्य करने वाले व्यक्ति तैयार करने पड़ेंगे । मन बुद्धि से इस विचार को मानने के बाद भी उनको आचरण में लाने के लिए मन, वचन, कर्म, की आदत बदलनी पड़ती है, उसके लिए व्यवस्था चाहिए । संघ की शाखा वह व्यवस्था है । सौ वर्षों से सब प्रकार की परिस्थितियों में आग्रहपूर्वक इस व्यवस्था को संघ के स्वयंसेवकों के द्वारा सतत चलाया गया है और आगे भी ऐसे ही चलाना है । इसलिए स्वयंसेवकों को नित्य शाखा के कार्यक्रमों को मन लगाकर करते हुए अपनी आदतों में परिवर्तन करने की साधना करनी पड़ती है। व्यक्तिगत सद्गुणों की तथा सामूहिकता की साधना करना तथा समाज के क्रियाकलापों में सहभागी, सहयोगी होते हुए समाज में सद्गुणों का व सामूहिकता का वातावरण निर्माण करने के लिए ही संघ की शाखा है ।

विजयादशमी उत्सव -

शताब्दी वर्ष : विजयादशमी पर भव्य कार्यक्रम

शताब्दी वर्ष में बस्तियों में भी हो रहे संघ के कार्यक्रम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रायपुर के तात्याटोपे नगर की बढ़ई पारा बस्ती में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन निकाला।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष आरएसएस की स्थापना को सौ वर्ष पूरे हुए हैं। अपने शताब्दी वर्ष में आरएसएस ने रायपुर के बस्तियों तक अपने कार्यक्रम की योजना बनाई है। इसी संदर्भ में आज बढ़ई पारा बस्ती में संघ ने अपना विजयादशमी उत्सव मनाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के प्रचारक श्री ईश्वरी कुम्भकार ने कहा कि संघ के यह 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा राष्ट्र को समर्पित है। वर्ष 1925 में संघ की स्थापना से लेकर आज 100 वर्ष पूर्ण होने तक संघ ने विभिन्न माध्यमों से राष्ट्र की सेवा की है। हिंदू समाज को संगठित एवं जागृत करने के उद्देश्य से काम कर रहा संघ का आज देश भर में विशाल स्वरूप देखने मे मिल रहा है। सामाजिक समरसता, स्वदेशी, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य बोध इन पंच परिवर्तन को लेकर संघ आगामी वर्षो में देश की साधना करने वाला है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सुप्रसिद्ध उद्योगपति

एवं समाजसेवी श्री ओमी बरडिया जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को देशभक्ति जगाने वाला संगठन बताते हुए कहा कि संघ ने अपने कार्यों, सेवा और समर्पण से देश मे एक नई चेतना लाई है। इसीलिए देश मे सभी लोग आज संघ से जुड़ना चाह रहे हैं।

आज के विजयादशमी उत्सव में नगर संघचालक श्री संजय जोशी,विश्व हिंदू परिषद के रायपुर जिला अध्यक्ष श्री भगवती शर्मा सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना : आमजन को मिलेगी सुलभ यातायात सुविधा

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से जुड़ेगा ग्रामीण अंचल

बस्तर अंचल के सुदूर वनांचलों में रहने वाले लोगों के आवागमन के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना शुरू की गई है। इसी कड़ी में कोण्डागांव जिले के ग्रामीण अंचल को जिला मुख्यालय से जोड़ने और आम नागरिकों को सुलभ यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का शुभारंभ पुराने बस स्टैंड से बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और स्थानीय विधायक सुश्री लता उसेंडी ने हरी झंडी दिखाकर किया।

राज्यव्यापी इस योजना की शुरुआत शनिवार को जगदलपुर से केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बसों को हरी झंडी दिखाकर की थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के विजन में ग्रामीण परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ हो ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए गांवों से शहर तक आमजन को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

कोण्डागांव जिले में योजना के तहत पहली बस सेवा सुंदर ट्रेवल्स द्वारा प्रारंभ की गई है। शुरुआती चरण में बस का संचालन कोण्डागांव से विश्रामपुरी मार्ग पर किया जा रहा है। तय समयानुसार यह बस सुबह 7 बजे विश्रामपुरी से कोण्डागांव के लिए रवाना होगी और वापसी में सुबह 10 बजे कोण्डागांव से विश्रामपुरी जाएगी। इस प्रकार प्रतिदिन दो फेरे लगाए जाएंगे, जिससे उन ग्रामीण क्षेत्रों को सीधे बस सुविधा उपलब्ध होगी जहां पहले परिवहन सेवाएँ सीमित थीं। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि अगले चरण में विकासखंड माकड़ी के क्षमतापुर से कोण्डागांव तक भी मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के अंतर्गत बस सेवा प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है। इससे दूरस्थ अंचलों के हजारों ग्रामीणों को सीधी परिवहन सुविधा मिलेगी और जिला मुख्यालय तक उनकी पहुंच आसान होगी।

इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास को नई गति मिल रही है। ग्रामीण बस योजना इसका जीवंत उदाहरण है, जिससे गांव और शहर के बीच की दूरी कम होगी और लोगों का जीवन आसान बनेगा। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष श्री जसकेतु उसेंडी, पार्षद श्री मनोज जैन, श्री हर्षवीर सिंह ढिल्लन, सुश्री सोनामणि पोयाम बस संचालक श्री दिनेश कुमार जैन और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

नक्सल पुनर्वास योजना

नीला कवासी ने बंदूक छोड़ अपनाया शांति और विकास का रास्ता...

कभी जंगलों में बंदूक थामे रहने वाली जैमेर निवासी श्रीमती नीला कवासी आज विकास और शांति की मिसाल बन चुकी हैं। गरीबी और मजबूरी ने उन्हें नक्सल रास्ते पर धकेल दिया था, लेकिन दिल के किसी कोने में वह हमेशा एक शांतिपूर्ण जीवन का सपना देखती थीं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और गृहमंत्री श्री विजय शर्मा के नेतृत्व में नक्सलियों को नक्सल पुनर्वास योजना 2025 के तहत मुख्यधारा में लौटने का अवसर दिया गया, तब नीला ने हिम्मत दिखाई। उन्होंने आत्मसमर्पण कर न केवल हिंसा का रास्ता छोड़ा बल्कि अपने परिवार के लिए नई शुरुआत करने का संकल्प लिया।

आत्मसमर्पण के बाद शासन-प्रशासन ने नीला को विभिन्न पुनर्वास योजनाओं से जोड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत उन्हें एक पक्का घर और शौचालय की सुविधा मिली। यह घर उनके लिए सिर्फ रहने की जगह नहीं बल्कि जीवन के संघर्ष पर विजय का प्रतीक बन गया। तकनीकी व रोजगार सहायक ने घर निर्माण की निगरानी और बैंकिंग प्रक्रियाओं में उनका पूरा सहयोग किया। आज नीला अपने परिवार के साथ सुखमय जीवन जी रही हैं और गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।भावुक नीला कहती हैं कि पहले हमारे कच्चे घर में बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था। कई बार तो सोने की जगह नहीं बचती थी। अब प्रधानमंत्री आवास योजना की बदौलत हमें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिला है। मैं अपने परिवार के साथ चौन की नींद सो पाती हूँ।

लोग उन्हें मिसाल के रूप में देखते हैं कि कठिन परिस्थितियों से निकलकर भी जीवन को नई दिशा दी जा

सकती है। नीला कवासी प्रधानमंत्री और राज्य सरकार के प्रति आभार जताते हुए कहती हैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री जी का तहे दिल से अभारी हूँ। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं ने हमारे जीवन में उजाला भर दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से मुझे नया जीवन मिला है, यह उपकार मैं कभी नहीं भूल पाऊँगी। जिला प्रशासन नक्सल पुनर्वास नीति के अंतर्गत ऐसे सभी व्यक्तियों के पुनर्वास और पुनर्स्थापन के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रहा है। सभी शासकीय योजनाओं का लाभ उन्हें दिया जा रहा है।

हिमाचल के बिलासपुर में बस पर गिरा पहाड़ से मलबा

18 यात्रियों की मौत, 3 की बची जान

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक भयानक बस हादसा हुआ है। यहां एक प्राइवेट बस भूस्खलन (लैंडस्लाइड) की चपेट में आई गई। मलबे के नीचे दबने से बस में सवार 18 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा मंगलवार 7 अक्टूबर शाम करीब साढ़े छह बजे बालूघाट (भल्ला पुल) के पास हुआ। जब मरोतन से घुमारवीं जा रही बस पर पहाड़ी से भूस्खलन का मलबा गिर गया। मलबे के गिरने से पूरी उसकी चपेट में आ गई। इस हादसे में दो बच्चियों और एक बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया है। इनमें से एक बच्ची की मां की दुर्घटना में मौत हो गई। उधर, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

कहां हुआ हादसा?

जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर जिले के झंडूता विधानसभा क्षेत्र में बालूघाट (भल्ला पुल) के पास मंगलवार शाम साढ़े छह बजे के करीब यह दर्दनाक हादसा हुआ। पहाड़ी से अचानक गिरे भूस्खलन के मलबे ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। मलबे के भारी दबाव से बस पूरी दब गई और खड्ड के किनारे जा गिरी। बस के अंदर सवार सभी यात्री मलबे के नीचे दब गए। खबर लिखे जाने तक बस के अंदर से 18 शव निकाले जा चुके थे। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है।

बस में कितने यात्री थे सवार?

रिपोर्ट के मुताबिक, बस में 30 से 35 यात्री सवार थे। जो कि मरोतन, बरठीं, घुमारवीं और बीच के स्टेशनों के रहने वाले थे। बस चालक और परिचालक की भी इस हादसे में मौत हो गई है। अभी तक किसी भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। बचाव दल मलबे को हटाकर फंसे हुए लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि हिमाचल के बिलासपुर में भूस्खलन की चपेट में आई बस में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है।

मुख्यमंत्री ने हादसे पर जताया दुख

उधर, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस बस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिलासपुर जिले के झंडूता विधानसभा क्षेत्र में बालूघाट (भल्ला पुल) के पास हुए विनाशकारी भूस्खलन की खबर ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया है। इस भीषण भूस्खलन में एक निजी बस के फंसने से 10 लोगों की मौत की दुखद खबर आई है और कई अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

सीएम ने आगे कहा कि अधिकारियों को अपनी पूरी मशीनरी तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। मैं स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और पूरे बचाव अभियान की पल-पल की जानकारी प्राप्त कर रहा हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारों को शक्ति प्रदान करें। इस कठिन समय में, मैं सभी प्रभावित परिवारों के साथ हूं।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन से लगातार संपर्क बनाए रखा है और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाए और उनके इलाज की पूरी व्यवस्था की जाए। उधर, हादसे की सूचना मिलते ही उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री कुल्लू दशहरा के कार्यक्रम को छोड़कर तुरंत हादसा स्थल के लिए रवाना हो गए।

प्रदेश भर में बैठके ले रहे राज्यपाल...

योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन के निर्देश

राज्यपाल रमेन डेका ने सरगुजा जिले के प्रवास के दौरान सोमवार को आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के जनपद पंचायत सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर विकास कार्यों, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए, इससे स्थानीय स्व-रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

राज्यपाल श्री डेका ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि, पीएम आवास, सामाजिक विकास, वित्तीय समावेशन एवं बुनियादी ढांचे के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सभी विकासात्मक कार्यों को शत प्रतिशत क्रियान्वयन करने पर जोर देते कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाएं एवं मुख्यधारा में जोड़ने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं।

श्री डेका ने जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम में जल संचयन के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने डबरी निर्माण, शोख पिट (सोखता गड्ढा), इंटकवेल जैसे संरचनात्मक कार्य तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि वर्षा जल का अधिक

से अधिक संग्रहण हो सके और भू-जल स्तर में सुधार हो सके। बैठक में पर्यटन, संस्कृति ,धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षण से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

राज्यपाल ने पशुपालन को ग्रामीण आजीविका का सशक्त माध्यम बताते हुए इसे बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुपालन से न केवल आय में वृद्धि होगी, बल्कि यह पोषण सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। पर्यटन विकास की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्थानीय प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। इससे स्थानीय स्व-रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। सड़क सुरक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी पहल की जाए और व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाए जाए। उन्होंने हेलमेट और यातायात नियमों के प्रति सतत् जागरूकता लाने के निर्देश भी दिए।

महिला स्व-सहायता समूहों की सराहना की

राज्यपाल श्री डेका ने महिला स्व-सहायता समूहों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समूहों की आर्थिक गतिविधियों का ओर विस्तार किया जाए। उन्होंने बैंकिंग सुविधाओं को सुदृढ़ और सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को मजबूती मिले। स्वास्थ्य और पोषण को लेकर उन्होंने कुपोषित बच्चों की पहचान एवं सघन मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों का नियमित प्रशिक्षण, राज्य एवं जिला स्तर पर विषय-विशेष प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय और सूचकांकों के सतत सुधार की रणनीति पर कार्य करने निर्देशित किया। राज्यपाल ने अधिकारियों को योजनाओं की जमीनी स्तर पर जांच के लिए मैदानी भ्रमण करने और लाभार्थियों से फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए।

एक पेड़ मां के नाम लगाने प्ररित करें

एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मिशन बताते हुए राज्यपाल ने सभी को पेड़ लगाने और दूसरों को भी पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। सभी सरकारी कार्यालयों में हरियाली बढ़ाने के लिए पौधरोपण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जनपद परिषद में 'एक पेड़ मां के नाम' पौधा रोपित किए। राज्यपाल श्री डेका ने आकांक्षी ब्लाक अंतर्गत दसवीं कक्षा में जिले में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर कुमारी भूमिका रजवाड़े को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जल संचय जनभागीदारी अभियान में प्रथम स्थान

जल संरक्षण की दिशा में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हुए महासमुंद जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जल संचय जनभागीदारी अभियान 2.0 के अंतर्गत जिले को जोन-2 की कैटेगरी-2 में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर भारत सरकार द्वारा महासमुंद जिला प्रशासन को एक करोड़ रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस सफलता पर महासमुंद जिले के नागरिकों, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, ''जल जीवन का आधार है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी हम जल संरक्षण को जनसहभागिता आधारित आंदोलन बना रहे हैं। महासमुंद ने सामुदायिक भावना और नवाचार के माध्यम से यह सिद्ध कर दिखाया है कि जनता जब आगे बढ़कर सहभागिता करती है, तो लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, उसे पाना संभव है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गांव-गांव में 'मोर गांव-मोर पानी' जैसी जनहितकारी योजनाओं को और मजबूती से लागू करेगी।

महासमुंद जिले में इस अभियान ने जनआंदोलन का रूप ले लिया है। 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान के तहत सोखता गड्ढा, रूफटॉप हार्वेस्टिंग, इंटेकवेल रिचार्ज और अन्य तकनीक अपनाकर वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण को गति दी जा रही है।

जिले में जनसहभागिता से 35,182 जल संरचनाएँ, 5,000 सोखता गड्ढे , 125 इंजेक्शन वेल, 1,839 सोखपीट और 25 बोरवेल रिचार्ज तैयार किए गए हैं, एवं 785 जल संरक्षण कार्य विभिन्न जनपद पंचायतों में पूरे किए गए। इनसे वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण और भूजल पुनर्भरण संभव हुआ। इस अभियान से जिले के सभी पांच जनपद पंचायत महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा, बसना और सरायपाली में वर्षाजल संचयन की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। इससे भूजल स्तर में वृद्धि के साथ-साथ ग्रामीणों को सिंचाई और पेयजल उपलब्धता में दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

स्किल सैटेलाइट सेंटर की स्थापना -

महिलाओं के आजीविका संवर्धन के पहल ...

महिलाओं के कौशल विकास और आजीविका संवर्धन के लिए धमतरी में महिलाओं की आजीविका संवर्धन के लिए एन.आई.टी. रायपुर और डी.एस.आई.आर. की साझी पहल की है। डी.एस.आई.आर. का छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि भारत में पहला प्रोजेक्ट है।

धमतरी जिला ऐतिहासिक रूप से अनाज और वन-आधारित उपज के उत्पादन में अग्रणी रहा है, जो इस क्षेत्र में ग्रामीण आजीविका की रीढ़ हैं। बड़ी संख्या में किसान और महिलाएं कृषि और वन-आधारित व्यवसायों में संलग्न हैं। उत्पादन बढ़ाने, बेहतर मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित करने और आजीविका के अवसरों में सुधार के लिए, वैज्ञानिक क्षमता निर्माण, मूल्य संवर्धन और कौशल विकास की अत्यधिक आवश्यकता है।

इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा एक सराहनीय कदम उठाया गया है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा की विशेष पहल। धमतरी जिले में डी.एस.आई.आर. (DSIR) स्किल सैटेलाइट सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव भेजा गया था। यह पहल टी.डी.यू.पी.डब्ल्यू. (Technology Development and Utilization Programme for Women) योजना के अंतर्गत संचालित होगी, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और नवीन अवसरों से जोड़ना है।

इस परियोजना का संयुक्त क्रियान्वयन जिला प्रशासन धमतरी तथा एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (NITRRFIE) द्वारा किया जाएगा। इसके अंतर्गत वनोपज (NTFP) आधारित कौशल विकास, मूल्य संवर्धन और पारंपरिक बुनाई तकनीकों में आधुनिक डिजाइन हस्तक्षेप को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही, फाइबर एक्सट्रैक्शन तकनीक के माध्यम से 'वेस्ट टू वेल्थ' जैसे नवाचारों को अपनाने की योजना है, जिससे अपशिष्ट सामग्री का उपयोग कर मूल्यवान उत्पाद तैयार किए जा सकेंगे।

परियोजना के निदेशक एवं प्रधान अन्वेषक के रूप में एनआईटी रायपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनुज कुमार शुक्ला को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस परियोजना में एनआईटी रायपुर फाउंडेशन तकनीकी विशेषज्ञता, वैज्ञानिक अनुसंधान और उत्पाद नवाचार उपलब्ध कराएगा, जबकि जिला प्रशासन स्थानीय सहयोग, अवसंरचना और समुदाय को संगठित करने की भूमिका निभाएगा।

यह परियोजना 36 माह की अवधि में पूरी की जाएगी। इसके लिए लगभग 95 लाख रुपए की वित्तीय सहायता का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन के अवसर बढ़ेंगे। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि यह परियोजना धमतरी जिले की ग्रामीण आजीविका को नई दिशा प्रदान करेगी। महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधनों और वैज्ञानिक नवाचार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ग्रामीण महिलाओं की सहभागिता से यह पहल रोजगार सृजन और सतत आर्थिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

[लेखक जनसंपर्क विभाग के सूचना अधिकारी है]

जिंदल के नए कोयला खदान से 20 गांव नक्शे से हो जाएंगे गायब

जिंदल के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा...

रायगढ़ जिले की लैलूंगा विधानसभा में आने वाले तमनार ब्लाक के गारे पेलमा सेक्टर वन कोयला खदान जिंदल उद्योग को आबंटित होने के बाद उसके विरोध में 20 से अधिक गांव लोग एकजुट होकर सडक़ों पर उतर गए हैं। ग्रामीणों ने 14 अक्टूबर को होने वाली जन सुनवाई का विरोध करते हुए रायगढ़ पहुंचकर जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने अपनी मांगों को दोहराया और कहा कि इस कोयला खदान के आने से तमनार ब्लाक के 20 से अधिक गांव नक्शे से गायब हो जायेंगे और पुरखों से रहने वाले हजारों ग्रामीण बेघर हो जाएंगे।

जन सुनवाई रद्द करने की मांग

तमनार ब्लॉक से आये हजारों की संख्या में ग्रामीणों के साथ महिलाएं भी शामिल थी जो रायगढ़ स्टेडियम के पास पहुंचकर दोपहर करीब एक बजे रैली की शक्ल में जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। सभी नारे लगाते हुए मांग कर रहे थे कि जन सुनवाई रद्द करो, कोयला खदान बंद करो।

बता दें कि जिंदल उद्योग को तमनार ब्लाक के सेक्टर वन की खदान आबंटित हुई है। जिससे इस ब्लाक में आने वाले करीब 20 गांव प्रभावित हो रहे हैं और इन गांव के युवा, महिला व पुरूष पुरी एकजुटता के साथ दुरस्थ अंचलों से निकलकर जिला मुख्यालय रायगढ़ पहुंचे और हाथों में बैनर पोस्टर लेकर इस कोयला खदान की जनसुनवाई रद्द करने की मांग करते हुए नारे लगाये।

जिले की सबसे बड़ी कोयला खदान

तमनार ब्लाक में अडानी को आबंटित कोल ब्लाक के बाद जिंदल उद्योग की यह सबसे बड़ी कोयला खदान होगी और इसके खनन से तमनार का एक बड़ा हिस्सा नक्शे से ही गायब हो जाएगा। जन चेतना के संयोजक राजेश त्रिपाठी ने बताया कि तमनार ब्लाक इलाके में पहले से ही जिंदल, अडानी सहित कई बड़ी कंपनियों

की कोयला खदाने चल रही है और नई कोयला खदान के प्रस्तावित होने से एक के बाद एक सैकड़ों गांव प्रभावित हो रहे हैं और आजादी के बाद से यहां रहने वाले आदिवासी, किसान, महिला व अन्य जाति के लोग बेघर होते चले जा रहे हैं। जिंदल घराने को आबंटित सेक्टर वन की कोयला खदान से बचे खुचे 20 से अधिक गांव बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

राजेश त्रिपाठी ने बताया कि इससे पहले भी 5 जनवरी 2008 को गारे में 4/6 कोयला खदान के लिये आयोजित जन सुनवाई में लाठी चार्ज होने के बाद से इस इलाके के लोग भारी भयभीत हैं और इसलिये पहले से ही सडक़ों पर उतरकर वे अब कोयला खदान शुरू होने के विरोध में अड़ गए हैं।

बहरहाल अब देखना यह है कि तमनार ब्लाक में एक के बाद एक शुरू हो रही कोयला खदानों से लैलूंगा विधानसभा क्षेत्र से तमनार ब्लाक कहीं नक्शे से गायब न हो जाये। इसके संकेत एक के बाद एक शुरू हो रही कोयला खदान से उजड़ते गांव से मिल रहा है।

राजनांदगांव व डोंगरगढ़ में पर्यटक सूचना केन्द्र प्रारंभ

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया लोकार्पण

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा राजनांदगांव और डोंगरगढ़ में प्रारंभ किए जा रहे पर्यटक सूचना केन्द्रों का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोकसभा सांसद संतोष पाण्डेय ने की।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने गांधी जयंती के दिन आयोजित लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यटक सूचना केन्द्रों के माध्यम से राजनांदगांव जिले में आने वाले पर्यटकों को विभिन्न सुविधाओं की जानकारी आसानी से मिलेगी, इससे जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नये अवसर खुलेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यटन को उद्योग का दर्जा भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा भी इस दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में राजनांदगांव और डोंगरगढ़ में पर्यटक सूचना केन्द्र का लोकार्पण हुआ है। यह पर्यटन विकास के लिए ये शुभ संकेत है।

लोकसभा सांसद संतोष पांडे ने कहा कि राजनांदगांव और डोंगरगढ़ में पर्यटन सूचना केंद्र की स्थापना से जिले सहित देशी विदेशी पर्यटक छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की जानकारी के साथ ही जिले की पर्यटन विशेषताओं से भी परिचित होंगे। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने बताया कि इन सूचना केंद्रों की स्थापना से पर्यटकों को यात्रा मार्ग, ठहरने की सुविधा, धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों तथा स्थानीय कला-संस्कृति की जानकारी सहज रूप से मिल सकेगी। यह पहल जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष रमन डोंगरे, पूर्व विधायक रामजी भारती व विनोद खांडेकर, राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक और व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना

देश-प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली का मांगा आशीर्वाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जगदलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां दंतेश्वरी से देश और प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, बस्तर सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष श्री महेश कश्यप, कांकेर सांसद श्री भोजराज नाग, जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव, चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल, कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी, दंतेवाड़ा विधायक श्री चैतराम अटामी, केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम, कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम सहित जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व

विजयादशमी उत्सव का भव्य आयोजन

राजधानी के डब्लू आर एस कॉलोनी मैदान में विजयादशमी उत्सव का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विशाल जनसमूह ने रावण दहन और आतिशबाजी का रोमांचक दृश्य देखा और देर तक उत्सव का आनंद लिया।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि विजयादशमी का यह पर्व आत्ममंथन का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि आज हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि अपने भीतर के अहंकार और बुराई का त्याग कर समाज और राष्ट्र की प्रगति में सकारात्मक भूमिका निभाएँ।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि दशहरा का पर्व अधर्म पर धर्म की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है। यह पर्व हमें अपने भीतर के नकारात्मक विचारों और प्रवृत्तियों को त्यागकर

सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के पदाधिकारी और श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

दमउदहरा : प्रकृति, आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में सक्ती–कोरबा मार्ग पर, सक्ती से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित दमउदहरा (दमाऊधारा) न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम स्थल है, बल्कि यह धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहाँ तक सड़क मार्ग से निजी वाहन या टैक्सी द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन सक्ति, जबकि निकटतम हवाई अड्डा रायपुर है।

दमउदहरा का प्रमुख आकर्षण इसका सुंदर जलप्रपात है, जो ऊँची पहाड़ियों से झरझर गिरते हुए नीचे बहता है। बरसात के मौसम में यह झरना अपने पूरे सौंदर्य पर होता है। चारों ओर फैली हरियाली, झरने की गूंजती ध्वनि और शीतल वातावरण पर्यटकों को मोह लेता है। आसपास के घने जंगल, प्राकृतिक गुफाएँ और ऊँची पहाड़ियाँ इस स्थल को रोमांच और फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान बना देती हैं।

धार्मिक दृष्टि से दमउदहरा अत्यंत पूजनीय है। यहाँ राम–जानकी मंदिर, राधा–कृष्ण मंदिर, ऋषभदेव जैन तीर्थंकर का मंदिर, हनुमान मंदिर, भगवान शिव–पार्वती मंदिर और विष्णु–लक्ष्मी मंदिर जैसे कई पवित्र स्थल

स्थित हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम अपने वनवास काल में दमउदहरा (गूंजी क्षेत्र) पधारे थे। कहा जाता है कि उन्होंने यहाँ विश्राम और पूजा-अर्चना की थी, जिससे यह क्षेत्र ऋषभ तीर्थ के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

इतिहासकार लोचन प्रसाद पांडेय द्वारा खोजे गए 'गूंजी शिलालेख' का उल्लेख भी इस स्थल के महत्व को और बढ़ाता है। इस शिलालेख में उस समय की धार्मिक गतिविधियों, सामाजिक संरचना और स्थानीय शासन व्यवस्था का विवरण मिलता है, जो दमउदहरा क्षेत्र की प्राचीनता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रमाण है।

हर वर्ष जनवरी महीने में यहाँ भव्य मेला आयोजित होता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। विशेष रूप से सूर्य ग्रहण के अवसर पर यहाँ स्नान और पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। इस समय घाटी में साधु-संतों का संगम होता है। एक रोचक दृश्य यह भी देखा जाता है कि सूर्य ग्रहण समाप्त होते ही जंगली बंदर घाटी में उतर आते हैं, जो यहाँ की अनूठी प्राकृतिक घटना बन चुकी है।

दमउदहरा पिकनिक और पारिवारिक भ्रमण के लिए भी लोकप्रिय है। लोग यहाँ झरने के पास बैठकर, हरियाली के बीच विश्राम और मनोरंजन का आनंद लेते हैं। मानसून के दौरान झरने में स्नान का अनुभव अविस्मरणीय होता है।

प्रकृति, आस्था, इतिहास और रोमांच का यह संगम दमउदहरा को छत्तीसगढ़ का एक विशिष्ट पर्यटन स्थल बनाता है। यह न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, बल्कि स्थानीय संस्कृति, परंपरा और अर्थव्यवस्था के विकास में भी इसकी अहम भूमिका है। यहाँ की आध्यात्मिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य हर आगंतुक को एक गहरे, आत्मिक अनुभव से भर देता है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया सिटी सर्विलांस का शुभारंभ

अत्याधुनिक 40 सीसीटीवी कैमरों से शहर की हर गतिविधि पर रहेगी पैनी नजर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुक्रवार 10 अक्टूबर को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस सिस्टम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने थाना परिसर में स्थापित सीसीटीवी सिटी सर्विलांस कक्ष का अवलोकन कर नगर की निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली।

कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, जनपद अध्यक्ष दौलत राम पाल, जनपद सदस्य चंद्रप्रकाश टोंड्रे सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

अपने उद्बोधन में उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग कर रही है। सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस की शुरुआत इस दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि सिमगा नगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, जहां कई औद्योगिक इकाइयाँ संचालित हैं और विभिन्न प्रांतों से लोग आते-जाते रहते हैं। ऐसे में किसी भी आपराधिक घटना के तुरंत बाद उसकी पहचान और अपराधियों की तलाश अब सीसीटीवी नेटवर्क से सहज और तेज़ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि

शहर में 40 उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं, जो दिन-रात समान रूप से कार्य करने में सक्षम हैं और वाहन के नंबर प्लेट तक को स्पष्ट रूप से कैद कर सकते हैं। इससे अपराध नियंत्रण, दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा ट्रैफिक प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सिटी सर्विलांस व्यवस्था शहर की 'तीसरी आँख' साबित होगी। अब किसी भी घटना पर तुरंत निगरानी रखी जा सकेगी और अपराधियों को पकड़ने में पुलिस को ठोस सबूत मिल सकेंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने भी इस पहल को शहर की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि निगरानी तंत्र से न केवल अपराधों में कमी आएगी बल्कि लोगों में भी सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर पंचायत अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। सिटी सर्विलांस की यह पहल सिमगा को तकनीकी रूप से सशक्त और सुरक्षित नगर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नारायणपुर-अबूझमाड़ को महाराष्ट्र से जोड़ेगा नेशनल हाईवे 130-डी

बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 130-डी के निर्माण को नई गति मिली है। छत्तीसगढ़ शासन ने कुतुल से नीलांगुर (महाराष्ट्र सीमा) तक 21.5 किलोमीटर हिस्से के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। इस सड़क के निर्माण के लिए न्यूनतम टेंडर देने वाले ठेकेदार से अनुबंध की प्रक्रिया शर्तों सहित पूरी करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग मंत्रालय द्वारा प्रमुख अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र रायपुर को दिए गए हैं। कुल तीन खंडों में निर्मित होने वाले 21.5 किलोमीटर सड़क के निर्माण हेतु लगभग 152 करोड़ रुपए न्यूनतम टेंडर दर प्राप्त हुई है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन ने मंजूरी प्रदान कर दी है।

यह उल्लेखनीय है कि कुतुल, नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में स्थित है और कुतुल से महाराष्ट्र सीमा पर स्थित नीलांगुर की दूरी 21.5 किलोमीटर है। यह नेशनल हाईवे 130-डी का हिस्सा है। इस सड़क का निर्माण टू-लेन पेव्ड शोल्डर सहित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि एनएच-130डी राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 195 किलोमीटर है। यह एनएच-30 का शाखा मार्ग (स्पर रूट) है। यह कोण्डागांव से शुरू होकर नारायणपुर, कुतुल होते हुए नीलांगुर (महाराष्ट्र सीमा) तक जाता है। आगे महाराष्ट्र में यह बिंगुंडा, लहरे, धोदराज, भमरगढ़, हेमा, लकासा होते हुए आलापल्ली तक पहुँचता है, जहाँ यह एनएच-353डी से जुड़ जाता है। इस मार्ग के विकसित होने से बस्तर क्षेत्र सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ जाएगा और व्यापार, पर्यटन एवं सुरक्षा को बड़ी मजबूती प्राप्त होगी।

नेशनल हाईवे 130-डी का कोण्डागांव से नारायणपुर तक का लगभग 50 किमी हिस्सा निर्माणाधीन है। नारायणपुर से कुतुल की दूरी 50 किमी है और वहाँ से महाराष्ट्र सीमा स्थित नीलांगुर तक 21.5 किमी की दूरी

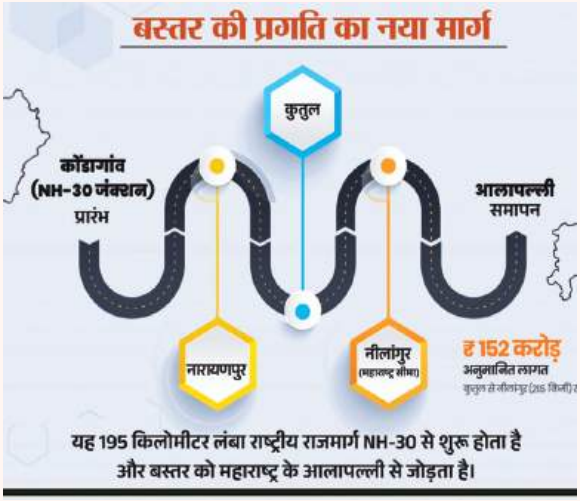

है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई 195 किमी है, जिसमें से लगभग 122 किमी का हिस्सा कोण्डागांव-नारायणपुर से कुतुल होते हुए नीलांगुर तक छत्तीसगढ़ राज्य में आता है। इस सड़क के बन जाने से बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से सीधा और मजबूत सड़क संपर्क मिलेगा तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा सुलभ हो सकेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से इस नेशनल हाईवे के अबूझमाड़ इलाके में स्थित हिस्से के लिए फॉरेस्ट क्लियरेंस और निर्माण की अनुमति प्राप्त हुई, जिससे इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माण का रास्ता खुल गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग 130-डी केवल सड़क नहीं बल्कि बस्तर अंचल की प्रगति का मार्ग है। हमारी सरकार ने इस परियोजना को तेजी देने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। इस सड़क से बस्तर के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह सड़क न केवल छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को जोड़ेगी, बल्कि बस्तर अंचल के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने के लिए यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी।

डीएमएफ से शिक्षकों की नियुक्ति से कोरबा जिले के विद्यालयों में लौटी रौनक

डीएमएफ से शिक्षकों की नियुक्ति से 118 लेक्चरर, 109 शिक्षक और 243 सहायक शिक्षक नियुक्त

कोरबा जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और दूरस्थ अंचलों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) से बड़ी पहल की गई है। इस योजना के तहत हायर सेकेंडरी विद्यालयों में 118 लेक्चरर, माध्यमिक शालाओं में 109 शिक्षक और प्राथमिक शालाओं में 243 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

इससे शिक्षकों की कमी से प्रभावित विद्यालयों में अब अध्यापन व्यवस्था नियमित हो गई है। पचरा, श्यांग, कटमोरगा जैसे सुदूर गांवों के विद्यालयों में सभी विषयों की कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। नई नियुक्तियों से जहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, वहीं स्थानीय शिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हुए हैं।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में यह प्रक्रिया पारदर्शिता और पात्रता के आधार पर पूरी की गई। साथ ही विशेष पिछड़ी जनजातियों जैसे पहाड़ी कोरवा और बिरहोर समाज के पात्र अभ्यर्थियों को भी प्राथमिकता दी गई है, जिससे उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता मिली है। जिले में शिक्षकों के साथ-साथ 310 भृत्यों की नियुक्ति भी की गई है, डीएमएफ निधि से कार्यरत शिक्षकों के मानदेय में भी इस सत्र से वृद्धि की गई है हायर सेकेंडरी व्याख्याताओं को 15,000 रूपए, मिडिल स्कूल शिक्षकों को 13,000 रूपए, प्राथमिक शिक्षकों को 11,000 रूपए और भृत्यों को 8,500 रूपए मासिक मानदेय मिलेगा।

डुमरबहाल में चेक डेम निर्माण से स्थानीय किसानों की समस्या का हुआ समाधान

गरियाबंद जिले स्थित ग्राम पंचायत डुमरबहाल में डेम निर्माण से स्थानीय किसानों की समस्या का समाधान हुआ है। वहीं अब गांव में भू-जल स्तर में सुधार होने के साथ ही निस्तारी के लिए भी पर्याप्त जगह उपलब्ध हो गई है।

गौरतलब है कि डुमरबहाल ग्राम जनपद पंचायत देवभोग से 12 किलोमीटर और जिला पंचायत से 142 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। डुमरबहाल गांव का क्षेत्रफल 1421.25 एकड़ और आबादी लगभग 2400 है। गांव में खेती-किसानी का रकबा पर्याप्त होने के बावजूद पानी की कमी के कारण किसान अपनी फसल का अच्छे से लाभ नहीं ले पाते थे। ग्राम सभा के माध्यम से महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत चेक डेम निर्माण की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। साथ ही बताया गया कि चेक डेम निर्माण होने से बारिश का पानी संचयित किया जा सकेगा। इस पानी का उपयोग फसल की सिंचाई में किया जा सकता है, जिससे फसल को पर्याप्त नमी मिलती है और कम वर्षा या अंतराल के दिनों में भी फसलों को सिंचित किया जा सकता है। पूर्व में गांव के आसपास के खेत बंजर थे और निस्तारी के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। गर्मियों के दिनों में तापमान लगभग 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता था, जिससे भू-जल स्तर में कमी आ जाती थी। इस समस्या को देखते हुए ग्रामीणों ने महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत चेक डेम निर्माण के लिए आवेदन ग्राम पंचायत में जमा कराया। ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के आधार पर जिला पंचायत ने प्रशासकीय स्वीकृति दी और जनपद पंचायत ने कार्य आदेश जारी किया गया। तकनीकी सहायक ने खेत में 10 मीटर लंबाई, 2 मीटर चौड़ाई और 1.50 मीटर गहराई का ले-आउट तैयार किया। श्रमिकों के नियोजन के साथ निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ और चेक डेम निर्माण कार्य पूर्ण हो गया। चेक डेम बनने से अब पानी का स्तर बढ़ गया है और निस्तारी के लिए पर्याप्त जगह भी उपलब्ध हो गई है। इससे ग्रामीण किसानों को फसल सिंचाई में सुविधा मिली और जल संरक्षण में भी सहायता हुई।

पंचायती राज मंत्रालय के निदेशक ने घाटकवाली में देखा पेसा कानून का जमीनी प्रभाव

बस्तर की ग्राम सभा बनी पंचायती राज मंत्रालय के लिए मॉडल

भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पेसा (पंचायत उपबंध-अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) कानून के ग्राम स्तरीय क्रियान्वयन की जमीनी सफलता को नजदीक से समझा है। मंत्रालय के निदेशक श्री रमित मौर्य ने हाल ही में बस्तर के ग्राम घाटकवाली का विस्तृत भ्रमण कर वहाँ की ग्राम सभा की व्यवस्थाओं, निर्णय प्रक्रिया और समितियों के प्रभावी कार्यप्रणाली का गहन अवलोकन किया।

पेसा के तहत सशक्त समितियों का प्रदर्शन

यह भ्रमण घाटकवाली की ग्राम सभा की स्वशासन क्षमता का प्रमाण बन गया। श्री मौर्य ने ग्राम सभा द्वारा गठित विभिन्न समितियों की कार्यप्रणाली को समझा, जिन्होंने पेसा कानून के तहत अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। समितियों ने खास तौर पर शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, पर्यावरण संरक्षण के लिए नियम बनाने, सामुदायिक वन संसाधन का प्रबंधन एवं वनोपज का समुचित दोहन कर स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाने और विवादों का समाधान कर गाँव में शांति बनाए रखने जैसे कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की।

पारदर्शिता, समानता और सहभागिता का अनुभव

भ्रमण के दौरान, गाँव के ग्रामीणों ने सीधे तौर पर स्थानीय शासन में अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि पेसा कानून ने ग्राम सभा में पारदर्शिता बढ़ाई है और समानता सुनिश्चित करने सहित हर ग्रामीण की सहभागिता सुनिश्चित किया है। निदेशक श्री रमित मौर्य ने ग्रामवासियों के साथ संवाद करते हुए पेसा कानून के व्यावहारिक पहलुओं, स्थानीय आदिवासी परंपराओं और ग्राम सभा के प्रशासनिक ढांचे को निकट से समझा। इस दौरान क्षेत्र के पंचायत पदाधिकारी, ग्रामसभा के सदस्य और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों सहित बड़ी सख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में लगा सेलेब्स का जमावड़ा

करीना कपूर-हेमा मालिनी समेत इन सितारों ने लूटी लाइमलाइट

अगले हफ्ते पूरे देश में धूमधाम से दिवाली का त्योहार मनाया जाएगा और बॉलीवुड में इसका जश्न अभी से शुरू हो गया है। हाल ही में बी-टाउन के फेमस डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने दिवाली पार्टी का आयोजन किया, जिसमें करीना कपूर, हेमा मालिनी, अर्जुन कपूर, बॉबी देओल, उर्मिला मातोंडकर, काजोल और टाइगर श्रॉफ समेत कई सितारों ने हिस्सा लिया। कई सेलेब्स ने अपने एथनिक लुक से पार्टी में लाइमलाइट लूट ली।

व्हाइट आउटफिट में करीना ने लूटी महफिल

मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में बेबो ने व्हाइट कलर का अनारकली सूट पहन कर अपना जलवा बिखेरा। मिनिमल मेकअप, बालों में बन और माथे पर बिंदी लगाते हुए उन्होंने अपने इस लुक को पूरा किया।

सज-धज कर पहुंचीं रेखा

दिवाली पार्टी में दिग्गज अभिनेत्री रेखा का लुक काफी चर्चा में रहा। वह इवेंट में येलो और ऑरेंज कॉम्बिनेशन वाली सिल्क साड़ी पहन कर पहुंचीं। इसके साथ उन्होंने माथा पट्टी, टीका, कानों में झुमके और भारी पहनते हुए अपना लुक पूरा किया।

एक साथ पहुंचे वीर-तारा

इस दिवाली पार्टी में सभी की निगाहें वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया पर आकर रुक गईं। दरअसल, दोनों पिछले काफी समय से अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, दोनों में से किसी ने अभी तक इसे ऑफिशियल तौर पर तो स्वीकार नहीं किया, लेकिन कई मौकों पर वह एक-दूसरे के साथ नजर आए और दोनों ने एक-दूसरे पर खूब प्यार लुटाया।

हेमा मालिनी का छाया जादू

'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी भी मनीषा मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में नजर आई है। उनके लुक को देख फैंस काफी खुश हो गए।

सिल्वर कलर ड्रेस में खूबसूरत लगीं उर्मिला

बॉलीवुड की अदाकारा उर्मिला मातोंडकर भी इस इवेंट का हिस्सा बनीं। इस दौरान वह सिल्वर कलर की ड्रेस पहने नजर आईं और उनकी सादगी ने लोगों का दिल जीत लिया।

काजोल ने बेटी संग दिए पोज

दिवाली पार्टी में काजोल अपनी बेटी नीसा देवगन के साथ पहुंचीं। इस दौरान दोनों ने कैमरा के सामने साथ मिलकर पोज भी दिए। काजोल और नीसा ने साड़ी पहन कर पार्टी में चार चांद लगा दिए। उनका लुक लोगों को काफी अच्छा लगा। इन स्टार्स के अलावा ईशान खट्टर, सिद्धार्थ मल्होत्रा में भी नजर आए।

रितेश देशमुख-जेनेलिया देशमुख

बॉलीवुड के फेमस कपल में से एक अभिनेता रितेश देशमुख और अभिनेत्री जेनेलिया देशमुख ने मनीषा मल्होत्रा की पार्टी को खास बना दिया है। दोनों ने साथ मिलकर पैप्स के कैमरा में पोज भी दिए।

सेलेक्टर्स ने दोनों को चुन कैसे लिया...

विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी पर बवाल, खेलने से पहले ही उठे सवाल

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम 19 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज में एक दूसरे का सामना करने वाली है। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हुई है। रोहित से कप्तानी छीनी जा चुकी है और अब वे बतौर खिलाड़ी ही टीम में शामिल किए गए हैं। लेकिन इस फैसले पर अब जमकर बवाल मच रहा है।

दिग्गज खिलाड़ी ने उठाई थी मांग

पूर्व भारतीय क्रिकेट चयनकर्ता दिलीप वेंगसरकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा के चयन पर सवाल उठाए हैं। यह सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू हो रही है। इन दोनों अनुभवी बल्लेबाजों को शनिवार को शुभमन गिल की अगुवाई वाली वनडे टीम में शामिल किया गया था। यह सीरीज उनके लिए इस साल आईपीएल 2025 के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का पहला मौका होगी। वेंगसरकर ने कहा कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने कोहली और रोहित को वनडे सीरीज के लिए कैसे चुना यह सवालिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये दोनों बल्लेबाज चैंपियंस ट्रॉफी में मार्च में शानदार प्रदर्शन के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर थे। वेंगसरकर का यह सवाल इस तथ्य पर भी आधारित था कि कोहली और रोहित अब केवल वनडे फॉर्मेट में ही सक्रिय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। उन्होंने जून 2024 में टी20आई से और इसी साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

लंबे ब्रेक के बाद क्यों लाया गया वापस

वेंगसरकर ने कहा, 'रोहित और विराट सालों से बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन अगर आप खेल का सिर्फ एक फॉर्मेट खेल रहे हैं तो मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं को इस पर फैसला लेना चाहिए। मुझे लगता है कि आप ऐसे खिलाड़ियों के फॉर्म और फिटनेस को नहीं जान सकते या आंक नहीं सकते क्योंकि उन्होंने आखिरी मैच खेलने के बाद लंबा ब्रेक लिया है। उनके फॉर्म और फिटनेस का आकलन करना बहुत मुश्किल है।'

उन्होंने आगे कहा, 'रोहित और विराट को शायद उनके शानदार रिकॉर्ड की वजह से चुना गया है। वे बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने भारतीय क्रिकेट की बहुत सेवा की है सभी फॉर्मेट में कई मैच जिताए हैं। लेकिन चूंकि वे टेस्ट क्रिकेट और टी20 भी नहीं खेल रहे हैं और केवल एक फॉर्मेट वनडे मैच खेल रहे हैं जो सीजन के दौरान बहुत बार नहीं खेला जाता है इसलिए उनके फॉर्म और फिटनेस का अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल है। लेकिन चूंकि उन्हें चुना गया है चयनकर्ताओं ने शायद इसकी जांच की होगी हालांकि मुझे नहीं पता कैसे।'

दोनों ने पास किया था फिटनेस टेस्ट

अजीत अगरकर ने पिछले शनिवार को मीडिया से बात करते हुए पुष्टि की थी कि कोहली और रोहित दोनों ने अपनी अनिवार्य प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट पास कर ली है। हालांकि उन्होंने संकेत दिया था कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए उनका चयन 2027 वनडे विश्व कप की योजनाओं में उन्हें शामिल नहीं करता है। इसलिए यह तीन मैचों की सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगी और यह तय करेगी कि चयनकर्ता उन्हें दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे मैचों के लिए टीम में रखते हैं या नहीं और बाद में उन्हें विश्व कप की योजनाओं में शामिल करते हैं या नहीं।

दुबई में लगा जीत का 'तिलक'

भारत ने पाक को 5 विकेट से हरा 9वीं बार खिताब पर कब्जा जमाया

भारत ने रविवार (28 सितंबर) को पाकिस्तान को हराकर एशिया कप 2025 का खिताब जीता। भारत ने 41 साल में 9वीं बार फाइनल जीता। पहली बार दोनों टीमों का एशिया कप के फाइनल में आमना-सामना हुआ। भारत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट में तीसरी बार हराया। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पाकिस्तान ने अच्छी शुरुआत की। साहिबजादा फरहान ने बेहतरीन अर्धशतक जड़ा।

भारत ने नहीं ली एशिया कप की ट्रॉफी

पाकिस्तान ने पहले 10 ओवर में 1 विकेट पर 87 रन बनाए। इसके बाद मैच पलटा। पाकिस्तान 33 रन पर 9 विकेट गंवा दिए। कुलदीप यादव ने 4 विकेट झटके। पाकिस्तान की टीम 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और 136 रन बनाकर आउट हो गई। भारत ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 150 रन बनाए। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पूरा टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी करने वाले अभिषेक शर्मा का बल्ला नहीं चला। कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर फेल रहे। अच्छा शॉट लगाने के बाद शुभमन गिल फेंककर चले गए।

भारत का स्कोर 4 ओवर में 3 विकेट पर 20 रन हो गया। इसके बाद संजी सैमसन और और शुभमन गिल के बीच 57 रन की साझेदारी। फिर तिलक ने शिवम दुबे के साथ 60 रन की साझेदारी की। रिंकू सिंह को विजयी शॉट लगाने का मौका मिला। वह पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ 1 गेंद खेले और चौका लगाकर भारत को खिताब दिलाया।

पाकिस्तान के लिए साहिबजादा फरहान ने 57 रन बनाए। फखर जमान ने 46 रन बनाए। सैम अयूब ने 14 रन बनाए। मोहम्मद हारिस 0, सलमान आगा ने 8, हुसैन तलत 1 और मोहम्मद नवाज 6 रन बनाकर आउट हुए। शाहीन अफरीदी और फहीम अशरफ खाता नहीं खोल पाए। हारिस रऊफ 6 रन बनाकर आउट। अबरार अहमद 1 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए कुलदीप यादव ने 4 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने 2-2 विकेट लिए।

भारत के लिए तिलक वर्मा 69 और शिवम दुबे ने 33 रन बनाए। संजू सैमसन ने 24 रन बनाए। शुभमन गिल 12, अभिषेक शर्मा 5 और सूर्यकुमार यादव 1 रन बनाकर आउट हुए। रिंकू सिंह 4 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान के लिए फहीम अशरफ ने 3 विकेट लिए। शाहीन अफरीदी और अबरार अहमद ने 1-1 विकेट लिए।

सूर्यकुमार यादव ने भारत की प्लेइंग 11 में 3 बदलाव किए। हार्दिक पंड्या, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह की जगह रिंकू सिंह, शिवम दुबे और जसप्रीत बुमराह को मौका मिला। पाकिस्तान ने प्लेइंग 11 में बदलाव नहीं किया। हार्दिक अनफिट होने के कारण यह मैच नहीं खेले।

- निवेदन -

स्वतंत्र बोल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे लिखे पते पर भेज सकते हैं। फोन और ई-मेल पर भी जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र से घटित कोई घटना, समाचार, या अन्य कोई गतिविधि जो पत्रिका में प्रकाशन योग्य हो.. तो उसे भी भेज सकते हैं।

छत्तीसगढ़ का सबसे विश्वसनीय हिन्दी मासिक पत्रिका
तेजी से बढ़ता यूट्यूब चैनल और न्यूज वेबसाइट को निर्भीक और जनपक्षीय पत्रकारिता के लिये आर्थिक रूप से सहयोग करें।

बंधन बैंक
बैंक खाता नंबर - 20100031810292
आईएफएससी कोड - BDBL0001958

SB स्वतंत्र बोल

संपादक स्वतंत्र बोल, शॉप नं. 258, लालगंगा शॉपिंग कॉम्पलेक्स, घड़ी चौक, रायपुर (छ.ग.)

97543-74333, bolswatantra@gmail.com

swatantrabol swatantrabol www.swatantrabol.com हिन्दी मासिक पत्रिका

मोदी की गारंटी से संवर रहा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

₹47,000 करोड़
की लागत से
रेल परियोजनाओं का क्रियान्वयन

₹40 लाख से अधिक
परिवारों को स्वच्छ पेयजल
जल जीवन मिशन

₹26 लाख
परिवारों का पक्के घर का सपना साकार
पीएम आवास योजना

₹59 हजार
परिवारों को मिल रहा लाभ
पीएम जनमन योजना

₹6,691
ग्राम लाभान्वित
धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान

₹40,000 करोड़
से अधिक की लागत से
राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास

₹69 लाख से अधिक
महिलाओं के खातों में पहुँचे
₹12,376 करोड़
महतारी वंदन योजना

₹25.47 लाख
किसानों के खातों में पहुँचे
₹9,765 करोड़
पीएम किसान सम्मान निधि

सुशासन से समृद्धि की ओर

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

RO. No. 13469/20